दि. 18–12–2021

फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना के कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्यशाला

दि. 18 दिसम्बर 2021 को भाकृअनुप–अटारी जोन तृतीय, कानपुर के द्वारा आनलाइन माध्यम से उत्तर प्रदेश के फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना से जुड़े 23 कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ अटारी निदेशक डा. अतर सिंह के स्वागत अभिभाषण से हुआ। डा. अतर सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा दिखाई जा रही प्रेजेंटेशन एवं रिपोर्ट को देखा। उन्होंने बताया कि सी.आर.एम. प्रोजेक्ट के अर्न्तगत 138 गाँवों में प्रक्षेत्र परीक्षणों का आयोजन किया गया। प्रयुक्त मशीनों में प्रमुख हैप्पीसीडर, मल्चर, कटर कम स्प्रेडर, रोटावेटर आदि का प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन उपयोग का लेखा जोखा का मूल्यांकन किया गया। रामपुर में पिछले वर्ष के तुलना में बर्निंग बड़ी है। बर्निंग सबसे ज्यादा शाहजहाँपुर जिले में है। कृषि विज्ञान केन्द्रों को एक्शनप्लान को ध्यान में रखते हुए अपने लक्ष्य को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि डीकम्पोजर बांटना ही काफी नहीं है, इसका सही प्रयोग हो रहा है जोकि वैज्ञानिकों की देखरेख में किया जाये।

कार्यक्रम में कानपुर, मेरठ, अयोध्या के राज्य कृषि विवि एवं भाकृअनुप तथा एन.जी. ओ. संस्थानों के कृषि विज्ञान केन्द्रों का प्रेजेंटेशन के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना में अपनी लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति का मूल्यांकन किया गया। अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिकों डा. साधना पाण्डेय, डा. एस.के. दुबे, डा. राघवेन्द्र सिंह ने इसकी समीक्षा की तथा अपने सुझाव साझा किये तथा 2022 की कार्ययोजना का फाइनलाइजेशन किया। समापन उद्‌बोधन अटारी निदेशक डा. अतर सिंह द्वारा दिया गया एवं अन्त में प्रधान वैज्ञानिक डा. साधना पाण्डेय द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला की समाप्ति हुई।

ATARI
ISO 9001:2015
विशेष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान
27 अक्टूबर, 2021

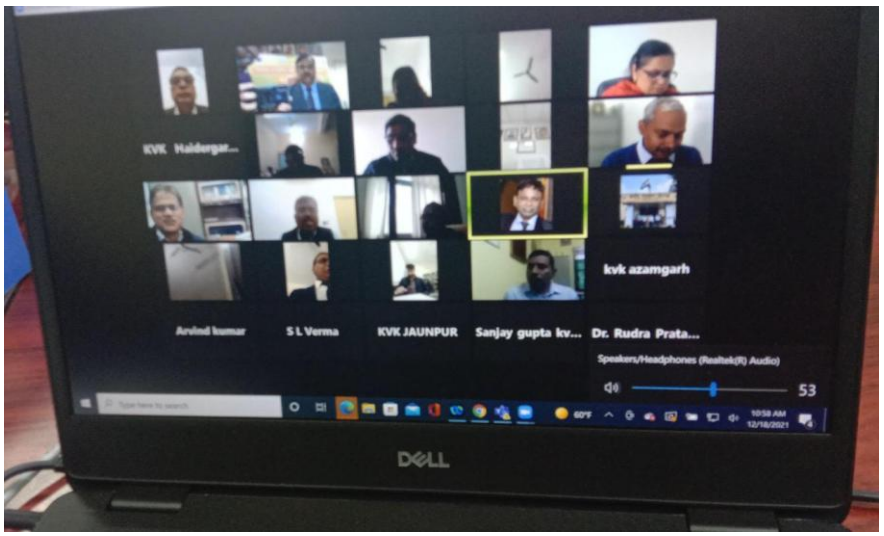
KVK Haidergar...
kvk azamgarh
Arvind kumar
S L Verma
KVK JAUNPUR
Sanjay gupta kv...
Dr. Rudra Prata...
Speakers/Headphones (Realtek(R) Audio)
53
DELL